

इसे वेबसाइट www.govtpress.nic.in से भी डाउन लोड किया जा सकता है.



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 16]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 21 अप्रैल 2023—वैशाख 1, शक 1945

भाग ४

विषय—सूची

| | | | |
|-----|------------------------|------------------------------|-----------------------------------|
| (क) | (1) मध्यप्रदेश विधेयक, | (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन | (3) संसद् में पुरःस्थापित विधेयक. |
| (ख) | (1) अध्यादेश | (2) मध्यप्रदेश अधिनियम, | (3) संसद् के अधिनियम. |
| (ग) | (1) प्रारूप नियम, | (2) अन्तिम नियम. | |

भाग ४ (क)—कुछ नहीं

भाग ४ (ख)—कुछ नहीं

भाग ४ (ग)

अंतिम नियम

नगरीय विकास एवं आवास विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 2023

अधि. क्र. 10-3-3-4-0005-2022-अठारह-3.— मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 (क्रमांक 23 सन् 1956) की धारा 132 की उपधारा (6) के खण्ड (ग) के साथ पठित धारा 433 तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 127 की उपधारा (6) के खण्ड (ग) के साथ पठित धारा 355 तथा 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, नगरपालिका क्षेत्र की सीमाओं के भीतर कोई व्यापार करने के विनियमन के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

नियम

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारंभ.—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश नगरपालिका (व्यापार अनुज्ञापन) नियम, 2023 है।
- (2) इन नियमों का विस्तार नगरपालिक निगमों, नगरपालिका परिषदों तथा नगर परिषदों की अधिकारिता के अधीन सम्पूर्ण क्षेत्र पर होगा।
- (3) ये नियम मध्यप्रदेश राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—

- (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
 - (क) "अधिनियम" से अभिप्रेत है, यथास्थिति मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 (क्रमांक 23 सन् 1956) तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961);
 - (ख) "आवेदक" से अभिप्रेत है, कोई व्यक्ति, संस्था अथवा कंपनी या उनके द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति, जो व्यापार करने के लिए अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन करता है;
 - (ग) "आयुक्त" से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 5 की उप-धारा (11) में यथा परिभाषित नगरपालिक निगम का आयुक्त;
 - (घ) "मुख्य नगरपालिका अधिकारी" से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 3 की उप-धारा (5) में यथा परिभाषित नगरपालिका परिषद्/नगर परिषद् का मुख्य नगरपालिका अधिकारी;
 - (ङ) "सक्षम प्राधिकारी" से अभिप्रेत है, यथास्थिति नगरपालिक निगम की अधिकारिता के अधीन आने वाले क्षेत्र की दशा में निगम आयुक्त अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी तथा नगरपालिका या नगर परिषद् की अधिकारिता के भीतर आने वाले क्षेत्र की दशा में मुख्य नगरपालिका अधिकारी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी;
 - (च) "प्ररूप" से अभिप्रेत है, इन नियमों से सलग्न प्ररूप;
 - (छ) "अनुज्ञप्तिधारी" से अभिप्रेत है, कोई व्यक्ति, जिसे इन नियमों के अधीन कोई व्यापार करने हेतु अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है;
 - (ज) "नगरपालिका" से अभिप्रेत है, यथास्थिति नगरपालिक निगम, नगरपालिका परिषद्, नगर परिषद्;
 - (झ) "व्यक्ति" से अभिप्रेत है, कोई व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त परिवार या कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन निगमित कोई कंपनी या भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 अथवा सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 के अधीन निगमित कोई फर्म या व्यक्तियों का संघ

अथवा व्यक्तियों का निकाय, चाहे वह निगमित हो अथवा नहीं या सहकारी सोसायटी से संबंधित किसी विधि के अधीन पंजीकृत कोई सहकारी सोसायटी अथवा कोई ऐसा संगठन, जिसे समुचित सरकार, अधिसूचना द्वारा इस संबंध में निर्दिष्ट करे ;

(ज) "व्यापार परिसर" से अभिप्रेत है, व्यापार करने के लिए उपयोग की जाने वाली या उपयोग किए जाने के लिए आशयित कोई परिसर।"

(2) उन शब्दों तथा अभिव्यक्तियों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हुए हैं किन्तु परिभाषित नहीं किए गए हैं वही अर्थ होंगे जो सामान्य या विशिष्ट रूप से अधिनियम में उनके लिए समनुदेशित किए गए हैं।

3. विधिमान्य अनुज्ञप्ति के बिना व्यापार का नहीं किया जाना.—

किसी भी व्यक्ति को, उस संबंधित नगरपालिका से व्यापार अनुज्ञप्ति प्राप्त किए बिना नगरपालिका सीमा के भीतर कोई व्यापार करने के लिए अनुमत नहीं किया जाएगा।

4. व्यापार अनुज्ञप्ति का प्रदान किया जाना.—

इन नियमों के उपबंधों के अधीन नगर निगम क्षेत्र के भीतर कोई भी व्यापार करने का इच्छुक और हकदार होने वाला कोई भी व्यक्ति निर्धारित प्ररूप 'क' में ब्यौरे/दस्तावेजों के साथ सक्षम प्राधिकारी को व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए आवेदन करेगा। अनुज्ञप्ति इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप 'ख' में संबंधित नगरपालिका द्वारा प्रदान की जाएगी।

इन नियमों के अधीन, आवेदन यदि अस्वीकार नहीं किया जाता है, तो प्राप्त होने के तीस दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्ति प्रदान की जाएगी। सक्षम प्राधिकारी द्वारा 30 दिनों के भीतर कोई निर्णय नहीं लिए जाने की दशा में, लाइसेंस प्रदान किया गया समझा जाएगा :

परन्तु सक्षम प्राधिकारी, अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से आवेदित अनुज्ञप्ति देने से इन्कार कर सकेगा :

परन्तु यह और कि इन नियमों के प्रारंभ होने से पहले विधिमान्य अनुज्ञप्ति के बिना नगरपालिका सीमाओं के भीतर कोई व्यापार करने वाला कोई भी व्यक्ति इन नियमों के प्रारम्भ होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर अनुज्ञप्ति के लिए सक्षम प्राधिकारी को आवेदन करेगा।

5. व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क.—

(1) प्रत्येक नगरपालिका, स्थानीय परिस्थिति पर निर्भर करते हुए सड़क की चौड़ाई या स्थान, जहां व्यापार परिसर स्थित है, के आधार पर, उन क्षेत्रों को वर्गीकृत करेगी जिनमें व्यापार किया जा रहा है तथा निम्नलिखित तालिकाओं में यथाविहित अनुज्ञप्ति शुल्क निर्धारित करेगी :—

(क) भवन तथा खुले स्थान.

1. सड़क की चौड़ाई पर आधारित न्यूनतम वार्षिक व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क.—

| सड़क की चौड़ाई | न्यूनतम व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क (रुपए प्रति वर्ग फुट/प्रति वर्ष) | | |
|--------------------------------|---|------------------|------------|
| | नगरपालिक निगम | नगरपालिका परिषद् | नगर परिषद् |
| 7.5 मीटर से कम तथा 7.5 मीटर तक | 4 | 3 | 2 |
| 7.5 मीटर और 15 मीटर के बीच | 5 | 4 | 3 |
| 15 मीटर से अधिक | 6 | 5 | 4 |

2. व्यापार परिसर की अवस्थिति पर आधारित न्यूनतम वार्षिक व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क.—

| व्यापार परिसर की अवस्थिति | न्यूनतम व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क (रुपए प्रतिवर्ग फुट/प्रतिवर्ष) | | |
|-----------------------------------|---|------------------|------------|
| | नगरपालिक निगम | नगरपालिका परिषद् | नगर परिषद् |
| मोहल्ला/कालोनी में | 4 | 3 | 2 |
| छोटे और मध्यम आकार के बाजारों में | 5 | 4 | 3 |
| वृहत बाजारों में | 6 | 5 | 4 |

परन्तु, निम्न की दशा में वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क की अधिकतम राशि निम्नलिखित से अधिक नहीं होगी—

(क) नगरपालिक निगम — रुपए 50,000 (पचास हजार)

(ख) नगरपालिका परिषद् — रुपए 25,000 (पच्चीस हजार)

(ग) नगर परिषद् — रुपए 15,000 (पंद्रह हजार)

(ख) गुमटी/कच्ची दुकानों के लिए न्यूनतम वार्षिक व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क .—

| व्यापार परिसर का प्रकार | न्यूनतम व्यापार लाइसेंस शुल्क (रुपये प्रतिवर्ष) | | |
|-------------------------|---|------------------|------------|
| | नगरपालिक निगम | नगरपालिका परिषद् | नगर परिषद् |
| गुमटी/कच्ची दुकान | 250 | 150 | 100 |

(ग) वाहनों के माध्यम से किए जाने वाले व्यापार के लिए न्यूनतम व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क.—

| वाहन का प्रकार | न्यूनतम व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क (रुपए प्रति वाहन/प्रतिवर्ष) | | |
|--|--|------------------|------------|
| | नगरपालिका निगम | नगरपालिका परिषद् | नगर परिषद् |
| मोटरयान (मिनि ट्रक/पिकअप वेन/ जीप इत्यादि) | 400 | 300 | 200 |
| ऑटो रिक्शा/तिपहिया वाहन इत्यादि | 250 | 200 | 150 |

टिप्पणी :- व्यापार अनुज्ञप्ति वाला कोई भी वाहन यह सुनिश्चित करेगा कि यातायात को कोई अवरोध न हो। यदि उसके द्वारा यातायात को कोई अवरोध कारित किया जाता है तो अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी जाएगी:

परन्तु नगरपालिका उस क्षेत्र की व्यावसायिक सम्भावनाओं का आंकलन करके, जहाँ कि व्यापार परिसर स्थित है, उपरोक्त तालिकाओं में विहित शुल्क की तुलना में उच्चतर दर पर व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क नियत कर सकेगी :

परन्तु यह और कि आगामी वित्तीय वर्षों में नियम 5 के बिन्दु क्रमांक 2 के अधीन अधिरोपित व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क प्रत्येक दो वर्ष में न्यूनतम पांच प्रतिशत बढ़ाया जाएगा।

6. व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क का भुगतान.—

व्यापार अनुज्ञप्ति शुल्क, यथास्थिति, अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाते समय या नवीनीकरण के समय, अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता की पूरी अवधि के लिए अग्रिम रूप से देय होगा।

7. अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता अवधि.—

इन नियमों के अधीन प्रदान की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति, यदि वह इन नियमों के किन्हीं भी उपबंधों के उल्लंघन के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा अन्यथा निलंबित या रद्द नहीं की जाए, तो दो वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगी।

8. नवीनीकरण.—

(1) नवीनीकरण के लिए आवेदन, विद्यमान विधिमान्य अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख से कम से कम एक माह पूर्व यथाविहित अनुज्ञप्ति शुल्क के भुगतान के साथ किया जाएगा। व्यापार अनुज्ञप्ति के नवीनीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज हैं—

(क) मूल अनुज्ञप्ति की प्रति;

(ख) नगरपालिका को देय राशि के अद्यतन भुगतान का प्रमाण।

अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण, यदि आवेदन अन्यथा अस्वीकार न किया जाए, तो आवेदन की प्राप्ति से 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। यदि सक्षम प्राधिकारी 15 दिनों के भीतर कोई विनिश्चय नहीं करता है, तो अनुज्ञप्ति नवीनीकृत हुई समझी जाएगी।

- (2) यदि अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति के समाप्त होने के छह माह के भीतर उसके नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं करता है, तो अनुज्ञप्ति शुल्क की 15 प्रतिशत की दर से शास्ति अधिरोपित की जाएगी। यदि अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति की समाप्ति से नौ माह की अवधि के भीतर उसके नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उस पर पूर्व से अधिरोपित शास्ति के अतिरिक्त, विलंब की अवधि के लिए अनुज्ञप्ति शुल्क पर एक प्रतिशत प्रतिमाह की दर से साधारण ब्याज प्रभारित किया जाएगा।
- (3) यदि अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति की समाप्ति के एक वर्ष के भीतर नवीनीकरण के लिए आवेदन करने में असफल रहता है, तो सक्षम प्राधिकारी व्यापार अनुज्ञप्ति को निरस्त करने तथा परिसर को सील करने के लिए प्राधिकृत होगा।

9. व्यापार अनुज्ञप्ति के उपयोग के लिए शर्तें.—

- (1) अनुज्ञप्ति की एक प्रति अनुज्ञप्त परिसर में ऐसे स्थान पर प्रदर्शित की जानी चाहिए जहां यह आसानी से दिखाई दे।
- (2) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/जिला प्रशासन/नगरपालिका द्वारा समय-समय पर जारी सभी आदेशों/निर्देशों का कठोरता से अनुपालन किया जाएगा।
- (3) अनुज्ञप्त परिसर के सामने फुटपाथ या सार्वजनिक सड़क पर कोई अवरोध अथवा अतिक्रमण नहीं किया जाएगा।
- (4) अनुज्ञप्तिधारी धुएं, गैस, वाष्प, धूल, धुएं, धूम्र, गंध, शोर या अन्य ऐसी अशुद्धियों द्वारा सभी बाधाओं की रोकथाम के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा यथाअपेक्षित उपायों को अपनाएगा।

10. जमा की जाने वाली शास्ति की राशि.—

अनुज्ञप्तिधारी शास्ति की राशि को संबंधित नगरपालिका के कार्यालय में अथवा नगरपालिका के ऑनलाइन भुगतान पोर्टल के माध्यम से जमा करेगा।

11. सक्षम प्राधिकारी के आदेश के विरुद्ध अपील .—

यदि अनुज्ञप्तिधारी सक्षम प्राधिकारी के किसी आदेश से व्यथित है तो वह—

- (क) नगरपालिक निगम की दशा में मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 (क्रमांक 23 सन् 1956) की धारा 403 की उप-धारा (4) के अधीन अपील समिति के समक्ष अपील प्रस्तुत करेगा; अथवा
- (ख) नगरपालिका के दशा में मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 307 के अधीन अपील समिति के समक्ष अपील प्रस्तुत करेगा; अथवा
- (ग) नगर परिषद् की दशा में मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 (क्र. 37 सन् 1961) की धारा 308 के खण्ड (घ) के अधीन कलक्टर के समक्ष अपील दायर कर सकेगा।

12. एक निर्धारित परिसर के लिए अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता.-

एक अनुज्ञप्ति केवल अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट परिसर और उस व्यवसाय के लिए विधिमान्य है, जिसके लिए इसे जारी किया गया है तथा यदि अनुज्ञप्तिधारी विद्यमान परिसर को छोड़ना चाहता है अथवा व्यवसाय में परिवर्तन करना चाहता है, तो वह नवीन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करेगा।

13. अनुज्ञप्ति को खाली करना.-

यदि अनुज्ञप्तिधारी, अनुज्ञप्ति की अवधि के दौरान परिसर को खाली करता है या कब्जा छोड़ देता है, तो वह तुरंत सक्षम प्राधिकारी को इस बारे में सूचित करेगा।

14. गैर-हस्तांतरणीयता.-

- (1) परिसर के परिवर्तन या व्यापार के परिवर्तन की दशा में अनुज्ञप्ति हस्तांतरणीय नहीं है।
- (2) यदि, व्यापार या परिसर में कोई परिवर्तन नहीं होता है, लेकिन अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति को किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित कर देता है, तो नामांतरण शुल्क प्रभारित कर अनुज्ञप्ति का नामांतरण किया जा सकता है, जो वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

15. शास्तियां.-

- (1) सक्षम प्राधिकारी, किसी भी समय किसी अनुज्ञप्तिधारी के परिसर का निरीक्षण कर सकेगा और यदि इन नियमों के किसी उपबंध के उल्लंघन का पता चलता है, तो अनुज्ञप्तिधारी को किसी विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए नोटिस जारी कर सकेगा। यदि, अनुज्ञप्तिधारी नोटिस में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर उसमें दिए गए निर्देशों का युक्तियुक्त समाधान नहीं करता है, तो सक्षम प्राधिकारी कोई शास्ति अधिरोपित कर सकेगा, जो वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के पचास प्रतिशत से कम नहीं होगी, अथवा अनुज्ञप्ति रद्द कर सकेगा।
- (2) कोई परिसर, जिसमें विधिमान्य अनुज्ञप्ति के बिना कोई व्यापार किया जाना पाया जाए उसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा सील किया जाएगा तथा समान प्रकार और समान रूप से स्थित व्यापार के लिए लागू वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के दोगुने के समतुल्य शास्ति अधिरोपित की जाएगी।

16. निपटान.-

न्यायालय के विचाराधीन आरोपों को वापस लेने अथवा विवाद के निपटान की शक्तियां सक्षम प्राधिकारी के पास निहित होंगी।

17. सरकारी कार्यालय को लागू नहीं.-

ये नियम सरकारी कार्यालयों, सरकारी स्वशासी निकायों, जिनमें कोई व्यापार नहीं किया जाता है, को लागू नहीं होंगे।

प्ररूप— (क)
(नियम 4 देखिए)

मध्यप्रदेश नगरपालिका (व्यापार अनुज्ञापन) नियम, 2023 के अधीन अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन

| | | | |
|----|--|--|---|
| 1. | बड़े अक्षरों में, आवेदक का पूरा नाम, (यदि आवेदक स्वामी नहीं है, तो व्यापार/व्यवसाय/कार्यालय के स्वामी द्वारा प्राधिकार पत्र संलग्न करें) | | पहचान पत्र संलग्न करें |
| 2. | पत्राचार का पता | | प्रमाण संलग्न करें |
| 3. | दुकान/व्यवसाय/कार्यालय आदि का नाम | | |
| 4. | व्यापार/व्यवसाय परिसर का पता | | |
| 5. | व्यापार/व्यवसाय का विवरण | | |
| 6. | क्या आवेदक परिसर का स्वामी है | | प्रमाण संलग्न करें |
| 7. | यदि 6 का उत्तर 'नहीं' है, तो स्वामी के साथ संबंध। | | सहायक दस्तावेज (अर्थात् किरायानामा आदि) संलग्न करें |
| 8. | व्यापार/व्यवसाय परिसर का क्षेत्रफल (वर्ग फीट में) | | |
| 9. | क्या अन्य प्राधिकारी, अर्थात् आबकारी विभाग, पर्यटन विभाग, लोक स्वास्थ्य विभाग, पीसीबी आदि द्वारा व्यापार/व्यवसाय चलाने के लिए अनुज्ञप्ति/एन ओ सी प्रदान की गई है (जहां भी लागू हो) | | |

मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आवेदक के हस्ताक्षर
नाम
दूरभाष क्रमांक

प्ररूप— (ख)
(नियम 4 देखिए)

मध्यप्रदेश नगरपालिका (व्यापार अनुज्ञापन) नियम, 2023 के अधीन पंजीयन तथा उपयोग की अनुज्ञप्ति

.....नगरपालिक निगम/नगरपालिका परिषद्.....
/नगर परिषद्.....

अनुक्रमांक.....

दिनांक.....

श्री.....(अनुज्ञप्तिधारी का नाम) को, नगरपालिक निगम/नगरपालिका परिषद्/नगर परिषद्.....के क्षेत्र में वार्ड क्र.के परिसर.....(परिसर का नाम) काव्यवसाय का संचालन करने के प्रयोजन के लिए उपयोग करने हेतु, एतद्वारा, मध्यप्रदेश नगरपालिका (व्यापार अनुज्ञापन) नियम, 2023 के अनुसार रु प्रति वर्ष शुल्क का भुगतान किये जाने पर यह अनुज्ञप्ति प्रदान की जाती है। अनुज्ञप्तिधारी इन नियमों में दी गई सभी शर्तों का अनुसरण/उन्हें पूरा करेगा।

यह अनुज्ञप्ति किसी नगरपालिका प्राधिकारी को मांगे जाने पर निरीक्षण हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

अनुज्ञप्ति..... और नियमानुसार इसका नवीनीकरण किए जाने तक विधिमान्य है।

(सक्षम प्राधिकारी)

.....नगरपालिक निगम/नगरपालिका परिषद्
/नगर परिषद्
सील सहित हस्ताक्षर

दिनांक:

अनुज्ञप्ति की शर्तें

1. अनुज्ञप्ति शुल्क गैर-वापसी योग्य है और यह केवल परिसर और अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट व्यापार के लिए विधिमान्य है। इसे परिसर के किसी सहजदृश्य स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा।
2. यह अनुज्ञप्ति, अनुज्ञप्तिधारी को तत्समय प्रवृत्त विधि के किन्हीं अन्य उपबंधों से उद्भूत दायित्वों से मुक्त नहीं करती है।
3. अनुज्ञप्तिधारी, नियमों में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुसरण करेगा।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

आर. के. कार्तिकेय, उपसचिव.

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 2023

अधि. क्र. 10-3-3-4-0005-2022-अठारह-3.- भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग की अधिसूचना क्र. 10-3-3-4-0005-2022-अठारह-3, दिनांक 18 अप्रैल 2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. कार्तिकेय, उपसचिव.

Bhopal, the 18th April 2023

Not. No. 10-3-3-4-0005-2022-XVIII-3

In exercise of the powers conferred by section 433 read with clause (c) of sub-section (6) of section 132 of the Madhya Pradesh Municipal Corporation Act, 1956 (No. 23 of 1956) and section 355 and 356 read with clause (c) of sub-section (6) of section 127 of the Madhya Pradesh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961), the State Government, hereby, makes the following rules for regulation of carrying out any trade within the limits of municipal area, namely:-

RULES

1. Short title, extent and commencement.-

- (1) These Rules may be called Madhya Pradesh Municipality (Trade Licensing) Rules, 2023.
- (2) These Rules shall extend to the entire area under the jurisdiction of the Municipal Corporations, Municipal Councils and Nagar Parishads.
- (3) These Rules shall come into force with effect from the date of their publication in the Madhya Pradesh Gazette.

2. Definitions.-

- (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) **“Act”** means the Madhya Pradesh Municipal Corporation Act, 1956(No. 23 of 1956) and Madhya Pradesh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) as the case may be;
- (b) **“Applicant”** means, any person, organisation or company or any representative authorised by them, who applies for licence to carry out any trade;
- (c) **“Commissioner”** means, Commissioner of Municipal Corporation as defined in sub-section (11) of section 5 of Madhya Pradesh Municipal Corporation Act, 1956;
- (d) **“Chief Municipal Officer”** means, Chief Municipal Officer of Municipal Council/Nagar Parishad as defined in sub-section (5) of section 3 of Madhya Pradesh Municipalities Act, 1961;
- (e) **“Competent Authority”** means, Municipal Commissioner or any officer authorised by him in case of area falling under jurisdiction of the Municipal Corporation and Chief Municipal Officer or any officer authorised by him, in case of any area falling within the jurisdiction of Municipal Council or Nagar Parishad, as the case may be;
- (f) **“Form”** means, form appended to these Rules;
- (g) **“Licencee”** means, the person to whom licence has been granted to carry out any trade under these Rules;
- (h) **“Municipality”** means, Municipal Corporation, Municipal Council or Nagar Parishad, as the case may be;
- (i) **“Person”** means, an Individual, or a Hindu undivided family or a Company incorporated under Companies Act, 2013 or a firm incorporated under Indian Partnership Act, 1932 or Limited Liability Partnership Act, 2008 or an association of persons

or body of individuals whether incorporated or not or a cooperative society registered under any law relating to cooperative societies or any such organization as appropriate Government, may by notification, specify in this behalf;

(j) **“Trade Premises”** means, any premises being used or intended to be used for carrying out any trade."

(2) Words and expressions used but not defined in these rules shall have the same meaning as assigned to them generally or specifically under the Act.

3. Trade not to be carried out without valid Licence.-

No person shall be permitted to carry out any trade, within the municipal limit, without obtaining a Trade Licence from that concerned municipality.

4. Grant of Trade Licence.-

Any person intending and being entitled, under provisions of these Rules, to carry on any trade, within the municipal area, shall apply to the Competent Authority for grant of Trade Licence in the prescribed Form 'A', along with details/documents. The licence shall be granted by the concerned Municipality in Form 'B' annexed with these rules.

The licence under these Rules, shall be granted by the Competent Authority within thirty days of receipt of application, if otherwise not rejected. In case, no decision is taken by the Competent Authority, within 30 days of receipt of application, the licence shall be deemed to have been granted:

Provided that, Competent Authority, by reasons to be recorded, may refuse to grant the licence applied:

Provided further that any person carrying on any trade within municipal limits without a licence prior to commencement of these Rules, shall within 45 days from the date of commencement of these Rules, apply to the Competent Authority for a licence.

5. Trade Licence Fee.-

- (1) Every Municipality shall, categorise the areas in which trade is being carried out, based on the width of the road or location where trade premises is situated, depending upon the local situation and determine the Trade Licence Fee as prescribed in the following tables:-

(A) Buildings and Open Spaces.

1. Minimum annual Trade Licence Fee based on width of Road.-

| Width of Road | Minimum Trade Licence Fee (Rupees per square feet/Per Annum) | | |
|----------------------------------|---|-------------------|----------------|
| | Municipal Corporations | Municipal Council | Nagar Parishad |
| Less than and up to 7.5 Meters | 4 | 3 | 2 |
| Between 7.5 Meters and 15 Meters | 5 | 4 | 3 |
| More than 15 Meters | 6 | 5 | 4 |

2. Minimum annual Trade Licence Fee based on location of Trade Premises.-

| Location of Trade Premises | Minimum Trade Licence Fee (Rupees per square feet/Per Annum) | | |
|--|--|-------------------|----------------|
| | Municipal Corporations | Municipal Council | Nagar Parishad |
| In Mohalla/Colonies | 4 | 3 | 2 |
| In small and medium sizedmarkets/ Bazars | 5 | 4 | 3 |
| In large market/Bazars | 6 | 5 | 4: |

Provided that the maximum amount of annual Licence Fee shall not exceed, in case of-

- (a) Municipal Corporation-Rs. 50,000 (Fifty thousand)
- (b) Municipal Councils – Rs. 25,000 (Twenty five thousand)
- (c) Nagar Parishads – Rs. 15,000 (Fifteen thousand)

(B) Minimum annual Trade Licence fee for Kiosks/Kachhi shops.-

| Category of Trade Premises | Minimum Trade Licence Fee (Rupees /Per Annum) | | |
|----------------------------|---|-------------------|----------------|
| | Municipal Corporations | Municipal Council | Nagar Parishad |
| Kiosk/Kutchha Shops | 250 | 150 | 100 |

(C) Minimum Trade Licence Fee for trade through Vehicles.-

| Type of Vehicle | Minimum Trade Licence Fee (Rupees Per Vehicle/Per Annum) | | |
|---|---|-------------------|----------------|
| | Municipal Corporations | Municipal Council | Nagar Parishad |
| Motor Vehicle (Mini Truck/Pickup Van/ Jeep etc.) | 400 | 300 | 200 |
| Auto Rickshaw /Three wheeler etc. | 250 | 200 | 150 |

Note: Any vehicle having trade licence shall ensure that there is no hindrance to the traffic. In case any hindrance to traffic is caused by it, the licence shall be cancelled:

Provided that the municipality, by assessing business potential of the area where trade premises is situated, may fix the trade licence fee at a higher rate than the fee prescribed in the above tables:

Provided further that in the ensuing financial years, trade licence fee imposed under point No. 2 of rule 5 shall be increased by minimum five percent in every two years.

6. Payment of Trade Licence Fee.-

Trade licence fee shall be payable in advance at the time of grant of licence or at the time of renewal, as the case may be, for the entire period of the validity of the Licence.

7. Validity period of Licence.-

Every Licence granted under these rules shall be valid for a period of two years, if otherwise, not suspended or cancelled by the competent authority for violation of any provisions of these rules.

8. Renewal.-

- (1) Application for renewal shall be made at least one month before the date of expiry of the existing valid licence along with payment of the licence fee, as prescribed. Documents required for the renewal of a Trade Licence are-

- (a) copy of original Licence;
- (b) proof of up-to-date payment of municipal dues.

The renewal of licence shall be done within 15 days of receipt of application if, otherwise, not rejected. In case competent authority, does not take a decision within 15 days, the licence shall be deemed to have been renewed.

- (2) In case the licensee does not apply for renewal of licence within six months of its expiry, a penalty at the rate of fifteen percent of the Licence fee shall be

imposed. In case the licensee does not apply for renewal of licence within a period of nine months from expiry of the licence, in addition to the penalty already imposed, a simple interest at the rate of one percent per mensem on the licence fee, shall be charged for the period of delay.

- (3) In case the licensee fails to apply for the renewal of licence within one year of expiry of the licence, the Competent Authority shall be authorized to cancel the trade licence and seal the trade premises.

9.The Conditions for use of Trade Licence.-

- (1) A copy of Licence should be displayed at the licenced premises at such a place where it is easily visible.
- (2) All orders/instructions issued by the Central Government/State Government /District Administration/Municipality from time to time shall be complied with strictly.
- (3) No impediments or encroachment shall be made on the footpath or public road in front of the licenced premises.
- (4) The Licensee shall adopt measures as may be required by the Competent Authority for the prevention of all nuisances by smoke, gas, vapour, dust, fumes, smell, noise, or other such impurities.

10. Amount of penalty to be deposited.-

The licensee shall deposit the amount of penalty in the office of concerned municipality or through on-line payment portal of the municipality.

11. Appeal against order of the competent authority.-

If the licensee is aggrieved by any orders of the competent authority, he shall-

- (a) in case of Municipal Corporation file an appeal before the appeal committee under sub-section (4) of section 403 of the Madhya Pradesh Municipal Corporation Act, 1956 (No. 23 of 1956);
- (b) in case of Municipal Councils file an appeal before the appeal committee under section 307 of the Madhya Pradesh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961); or
- (c) in case of NagarParishad file an appeal before the collector committee under clause (d) of section 308 of the Madhya Pradesh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961).

12. Validity of Licence to a set Premises.-

A Licence is valid only for the premises specified in the licence and for the trade for which it has been issued, and if the Licensee desires to leave the existing premises or change the trade, he shall apply for a fresh licence

13. Vacating Licence.-

If the licensee vacates or gives up possession of the premises during the period of the licence, he shall forthwith inform the Competent Authority of the same.

14. Non-Transferability.-

- (1) Licence is not transferable in case of change of premises or change in the trade.
- (2) In case, there is no change in trade or premises, but licensee transfers the licence to another person, the mutation of licence can be affected by charging a

mutation fee which shall not be more than ten percent of the annual licence fee.

15. Penalties.-

- (1) Competent authority may inspect premises of any licensee at any time and if any violation of any provision of these rules is detected, issue notice to licensee to take necessary action within a specified period. In case, the licensee does not provide reasonable solution to the instructions given in the notice, within the period specified therein, the competent authority may impose a penalty which shall not be less than fifty percent of the annual licence fee or may cancel the licence.
- (2) Any premises in which any trade is found to be carried out, without a valid licence, shall be sealed by the competent authority and a penalty equivalent to the twice of the annual licence fee applicable to the similar type and similarly situated trade, shall be imposed.

16. Settlement.-

The powers to withdraw charges under consideration of the court or settlement of dispute shall vest with the competent authority.

17. Not Applicable to Government Office.-

These rules shall not be applicable to Government offices, Government autonomous bodies in which no trade is carried out.

Form -(A)
(see rule 4)

**Application form for Licence under Madhya Pradesh
Municipality(Trade Licencing) Rules, 2023.**

| | | | |
|----|---|--|---|
| 1. | Full Name of the Applicant in Block Letters. (If applicant is not owner, then attach authority letter from the owner of trade/ business/ office) | | Attach Identity poof |
| 2. | Address of Correspondence | | Attach proof |
| 3. | Name of the Shop/Business/Office etc. | | |
| 4. | Address of the Trade/Business premises | | |
| 5. | Description of Trade/Business | | |
| 6. | Whether Applicant is Owner of the premises | | Attach proof |
| 7. | If answer to 6 is 'No' then relationship with the owner. | | Attach supporting documents i.e. rent agreement etc.) |
| 8. | Area of the Trade/Business premises (in square feet) | | |
| 9. | Whether Licences/NOC has been granted to run the trade/business by other authority i.e. Excise Department Tourism Department, Public Health Department, PCB Etc. (wherever applicable.) | | |

The above information given by me true to the best of my knowledge and belief.

Signatures of the
applicant
Name
Telephone No.

Form -(B)**(see rule 4)****Licence of registration and use under the Madhya Pradesh
Municipality (Trade Licencing) Rules, 2023****Municipal Corporation of _____/ Municipal
Council _____/Nagar Parishad _____****Serial No.****Dated:**

Licence is hereby granted to.....(name of the Licencee) for making use of premises at (address of premises) of ward No.....in area of XXX Municipal Corporation/Municipal Council/Nagar Parishad for the purpose of carrying out trade of on payment of a fee of per annum as per the Madhya Pradesh Municipality (Trade Licensing) Rules, 2023. The Licencee shall follow and fulfil the conditions given in the rules. This licence shall be produced for inspection to any municipal authority on demand.

Licence is valid uptoand subject to further renewal as per the Rules.

(Competent Authority)**XXXMunicipal Corporation/
Municipal Council/Nagar
Parishad****Signature with Seal****Date:**

✓ Conditions of Licence

1. The licence fee is non-refundable and it is valid only for the premises and for the trade specified in the licence. It shall be exhibited at a conspicuous place of the premises.
2. This licence does not absolve the licensee from the obligations arising out of any other provisions of the law for the time being in force.
3. The licensee shall follow the conditions specified in the rules.

-----X-----

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

R.K. KARTIKEYA, Dy. Secy.

उच्च शिक्षा विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 अप्रैल 2023

क्रमांक आर-414/सीसी/17/अडतीस - मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम-2007 की धारा 27 (1) के अनुक्रम में अवंतिका निजी विश्वविद्यालय, उज्जैन के संशोधन परिनियम क्रमांक 09 एवं 12 साधारण राजपत्र में प्रकाशन राज्य शासन के निर्देशों के अनुसार अधिनियम, 2007 की धारा 35 अनुसार प्रकाशित किया जाता है। संस्था के उक्त परिनियम प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

संलग्न- संशोधन परिनियम क्रमांक 09 एवं 12

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

वीरन सिंह भलावी, अवर सचिव.



Avantika University, Ujjain

AMENDMENT NOTIFICATION

No. R-414-CC-2017-38- In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 29 of the Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalan) Adiniyam, 2007 the State Government hereby makes the following **AMENDMENTS IN THE STATUTE NO. 9 AND 12 OF THE AVANTIKA UNIVERSITY, UJJAIN.**

1. They shall come into force from the date of their publication in the Gazette of Madhya Pradesh.

2. Amendments in the **STATUTE NO.9, THE GOVERNING BODY**

i. In Clause No. 9 under heading, The Constitution, Power, and Duties of The Governing Body will be; following subclause shall be added:

(m) To consider and approve the proposal or recommendations of The Finance Committee and Board of Management to borrow or raise monies or loans in name of Avantika University for the purpose of the development of the university by promissory notes, bills of exchange, hypothecation and other negotiable or transferrable instruments or by mortgage, third party security, pledge, perpetual or otherwise charged upon all or any of the *trust's property (Known as Sponsoring Body)* and assets both present and future, movable and immovable including its uncalled capital upon such terms as the Governing Body/Trustee may deem expedient and in such other manner and to execute all deeds and writing assurance for any aforesaid purposes. This would be without mortgage, hypothecation, Collateral security, or by whatever name called, of assets of Avantika University, Ujjain, as per the provisions of the Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya Act and its amendments as applicable.

3. Amendments in the **STATUTE NO.12, THE FINANCE COMMITTEE**

i. In Clause No. 10 under heading, The Finance Committee have the following powers and duties; following subclause shall be added:

(h) The Finance committee may make its recommendations to the Governing Body to borrow or raise monies or loans for the purpose of the development of the university by promissory notes, bills of exchange, hypothecation and other negotiable or transferrable instruments or by mortgage, third party security, pledge, perpetual or otherwise charged upon all or any of the *trust's property (Known as Sponsoring Body)* and assets both present and future, movable and immovable including its uncalled capital upon such terms as the Governing Body/Trustees may deem expedient and in such other manner and to execute all deeds and writing assurance for any aforesaid purposes. This would be without mortgage, hypothecation, Collateral security, or by whatever name called, of assets of Avantika University, Ujjain, as per the provisions of the Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya Act and its amendments as applicable.